10.0° न्यूनतम | सूर्य अस्त (आज) 06:32 उदय (कल) 06:12 | आर्द्रता 70%

गढ़वाल जागरण

www.jagran.com

गढ़वाल विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की डा. ममता आर्य के शोध में आया सामने

हेवी मेटल्स पाल्यूटेंट को समाप्त करने में सक्षम है 'थर्मोफ्लिक बैक्टीरिया'

गढ़वाल केंद्रीय विवि की वरिष्ठ फैकल्टी डा. ममता आर्य को सम्मानित करते ग्राफिक एरा के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह। साथ में दाएं ईसी मोड नेपाल के डा. एकलव्य शर्मा और डा. अनीता पांडे ● जागरण

शोध कार्य

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: बदरीनाथ धाम स्थित गर्म पानी के स्रोत में पाया जाने वाला थर्मोफ्लिक बैक्टीरिया गंगा एवं अन्य नदियों में प्रदूषण के मुख्य कारक हेवी मेटल्स पाल्यूटेंट को समाप्त करने में सक्षम है। दरअसल, यह बैक्टीरिया हेवी मेटल्स पाल्यूटेंट को अवशोषित कर लेता है। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डा. ममता आर्य की ओर से बायो सेपरेशन आफ मैग्नीज वायाथर्मोफ्लिक बैक्टीरिया पर किए गए शोध में यह तथ्य सामने आया है। देहरादून स्थित ग्राफिक एरा विवि में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में डा. ममता के शोध कार्य को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सोमवार को ग्राफिक एरा विवि देहरादून में 'इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन माउंटेन इको सिस्टमः बायो डायवर्सिटी एंड एडप्टेशन अंडर क्लाइमेट चेंज सिनेरियो' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 100 से अधिक शोध विज्ञानियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसमें डा. ममता की ओर से प्रस्तुत शोध पत्र को ग्राफिक एरा विवि के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह, ईसी मोड नेपाल के डा. एकलव्य शर्मा और प्रोग्राम कोआर्डिनेटर वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनीता पांडे ने संयुक्त रूप से उन्हें यह सम्मान दिया। डा. ममता आर्य की उपलब्धि को पर कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. जीके जोशी व विवि की अन्य फैकल्टी ने उन्हें बधाई दी। डा. ममता आर्य ने बताया कि रोशनाबाद हरिद्वार के समीप गंगा से लिए गए सैंपल में उन्हें हेवी मेटल्स की मात्रा निर्धारित मानक से बहुत अधिक मिली।

पानी में हेवी मेटल्स की यह बढ़ती मात्रा जलीय जीव-जंतुओं के साथ ही मानव के लिए बेहद हानिकारक है।

Scanned with CamScanner

इंटरनेशनल कांफ्रेस में डा. ममता आर्य का शोध पत्र अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेस आन माउंटेन इकोसिस्टम बायोडाइवर्सिटी एडं अडैप्टेशनल अण्डर क्लाइमेट चेंज सिनैरियों में गढ़वाल विवि के जैव प्रौद्यगिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. ममता आर्य के शोध पत्र को प्रथम पुरस्कार मिला है।

कार्यक्रम में ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह, प्रोग्राम को-ओर्डिनेटर सांइटिस्ट डा. अनीता पाण्डेय, नेपाल के डा. एकलव्य शर्मा ने डा. आर्य को पुरस्कृत किया। अंतराष्ट्रीय कांफ्रेस में देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के सौ से अधिक आवेदकों ने प्रतिभाग किया। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी में 22 से

24 मार्च तक इंटरनेशनल कांफ्रेस में गढ़वाल विवि में डा. ममता आर्य ने बायोसार्पशन ऑफ मैग्नीज बाय थर्मोफिलिक बैक्टीरिया पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होने जल प्रदूषण के एक मुख्य कारक हैवी मेटल, मैग्नीज के अवशोषण में गर्म पानी के स्रोतों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया की उपयोगिता विषय अपनी प्रस्तुतीकरण दी। शोध पत्र को प्रस्तुत करती हुई डा. आर्य ने बताया कि किस तरह बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण नदीयों में हैवी मेटलस की मात्रा दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। जो कि जलीय जीव जंन्तुओं व मानव के लिए हानिकारक साबित हो रही है। डा. आर्य की इस उपलब्धि पर गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, जैव प्रोद्योगिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. जीके जोशी ने शुभकामनाएं दी।

Scanned with CamScanner

डॉ. ममता के शोध को मिला प्रथम पुरस्कार

श्रीनगर। गढ़वाल विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सेवारत एसोसिएट प्रोफेसर डा. ममता आर्य के शोध को प्रथम पुरस्कार मिला है।

ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेस आन माउंटेन इकोसिस्टम बायोडाइवर्सिटी एडं अडैप्टेशनल अंडर क्लाइमेट चेंज सिनेरियो में

उन्होंने शोध पत्र प्रस्तुत किया था। यह आयोजन बीते 22 से 24 मार्च को हुआ था।

डॉ. ममता आर्य ने ग्राफिक एरा विवि में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में शिरकत की थी। जहां बताया कि शोध जल प्रदूषण के एक मुख्य कारक हैवी मेटल, मैग्नीज के अवशोषण में गर्म पानी के स्रोतों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया की उपयोगिता विषय पर था।

उन्होंने बताया कि किस तरह बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण नदियों में हैवी मेटल की मात्रा दिन प्रतिदिन बढ़ रही है जो जलीय जीव जंतुओं व मानव के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। उन्हें यह पुरस्कार ग्राफिक एरा विवि के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता पांडे व डॉ. एकलव्य शर्मा ने प्रदान किया। संवाद

Scanned with CamScanner

कांफ्रेस में डॉ. ममता को सम्मानित किया

श्रीनगर,संवाददाता। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन माउंटेन इकोसिस्टम बायोडाइवर्सिटी एडं अडैप्टेशनल अण्डर क्लाइमेट चेंज सिनेरियों में गढ़वाल विवि की जैव प्रौद्यगिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ममता आर्य के शोध पत्र को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह, प्रोग्राम को-ओर्डिनेटर सांइटिस्ट डॉ. अनीता पाण्डेय, नेपाल के डॉ. एकलव्य शर्मा ने डॉ. आर्य को पुरस्कृत किया। अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस में देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के सौ से अधिक आवेदकों ने प्रतिभाग किया।

Scanned with CamScanner

डॉ. ममता आर्य को शोध पत्र प्रतियोगिता में मिला प्रथम पुरस्कार

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर। एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि की जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ममता आर्य को ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी दून में आयोजित इंटरनेशल कान्फ्रेंस आफ माउंटेन इकोसिस्टम बायोडायवर्सिटी एंड अडैप्टेशनस अंडर क्लाइमेंट चेंज सिनेरियो में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला है। डॉ. आर्य ने अपना शोध पत्र बायोसार्पशन ऑफ मैग्नीज बाय थर्मोफिलिक वैक्टीरिया में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इंटरनेशल कार्यशाला में डॉ. ममता आर्य के शोध को काफी सराहा गया। ग्राफिक एरा विवि के कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनिता पांडेय, डॉ. एकलव्य शर्मा ने बेहतर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण डॉ. ममता आर्य को सम्मानित किया। गढ़वाल विवि की प्रोफेसर डॉ. ममता आर्य की इस सफलता पर गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, विभागाध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी प्रो. जीके जोशी सहित गढ़वाल विवि के संकाय सदस्यों एवं छात्रों ने खुशी जाहिर करते हुए डॉ. आर्य को बधाई दी। कहा कि उनके द्वारा शोध पत्र पुस्तीकरण में प्रथम स्थान आने से गढ़वाल विवि का नाम रोशन हुआ है।

तोताघाटी में बदरीनाथ हाईव पर ट्रॉला फंसने से लगा जाम

देवप्रयाग। ऋषिके श-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तोताघाटी में एक ट्रॉला मोड पर खराब होने फंस गया। जिससे राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई। दो घंटे तक राजमार्ग पर दोनों साइड

Scanned with CamScanner